सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 325 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 2 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

किसी भी धर्म में किसी धर्म को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए दूसरों को मारना नहीं बताया गया।
–ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में मिल सकता... 7
तमिलनाडु में इस साल चुनाव नेता... 3
बंगाल में भाजपा की साजिश होगी... 2

एक बार फिर क्रिकेट कंट्रोवर्सी चरम पर राजनीति तेज

हसीना पर चुप्पी शाहरुख पर रार

देवकी नंदन ने केकेआर पर उठाये सवाल

» शाहरुख खान को यदि देश में रहना है तो खत्म कराना होगा कांट्रैक्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में क्रि केट अब सिर्फ खेल नहीं रहा। यह राजनीति के विस्तार के साथ भावनाओं के हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाने लगा है। यही नहीं इसे चुनावी प्रयोगशाला का सबसे संवेदनशील रसायन भी कह सकते हैं। ताजा विवाद ने एक बार फिर यही साबित किया है।

बांग्लादेशी खिलाड़ी को आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा खरीदे जाने के बाद देश में क्रिकेट कम और हिंदू-मुस्लिम, देशभक्ति-देशद्रोह का शोर ज्यादा सुनाई देने लगा है। एक तरफ बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में शरण लेकर रह रही हैं जिनके रहन-सहन, सुरक्षा और सुविधाओं पर करोड़ों रुपये के खर्च की चर्चा है लेकिन वहां राजनीतिक चुप्पी है। दूसरी तरफ एक बांग्लादेशी क्रिकेटर के आईपीएल खेलने पर सड़कों से लेकर संसद तक हंगामा नजर आ रहा है। सवाल सीधा है देशभक्ति की कसौटी खिलाड़ी पर क्यों सत्ता पर क्यों नहीं?

केकेआर के बहाने क्रिकेट पर सांप्रदायिक चश्मा

धार्मिक कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर के बाद अब भाजपा सांसद ने भी केकेआर पर सवाल उठा दिए हैं। आरोप है कि जिस देश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हों वहां के खिलाड़ी को भारतीय लीग में क्यों जगह दी जा रही है? यह सवाल सुनने में राष्ट्रवादी लगता है लेकिन अंदर झांकिए तो यह चयनात्मक राष्ट्रवाद है। यही देश कुछ महीने पहले पाकिस्तान की टीम से मैच खेलता है खिलाड़ी गले मिलते हैं कैमरे मुस्कान पकड़ते हैं तब राष्ट्र खतरे में नहीं पड़ता। लेकिन जैसे ही मामला बांग्लादेश प्लस मुस्लिम प्लस शाहरुख खान तक पहुंचता है राष्ट्रवाद उफान पर आ जाता है।

शाहरुख खान हर विवाद का स्थायी विलेन

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान इस कहानी के सबसे आसान टारगेट हैं। वानखेड़े स्टेडियम विवाद उसके बाद फिल्म पठान पर भगवा उबाल और और अब बांग्लादेशी खिलाड़ी की खरीद पर सवाल। उन्हें देश छोड़ देने की धमकी दी जा रही है। हर बार कहानी वही है नाम शाहरुख हो तो इरादा शक के दायरे में कोई यह पूछने को तैयार नहीं कि केकेआर एक कारपोरेट फ्रेंचाइजी है खिलाड़ी चयन व्यावसायिक और क्रिकेटिंग निर्णय होता है न कि विदेश नीति का एलान।

देशभक्ति या दोहरा चरित्र?

अगर बांग्लादेशी खिलाड़ी गलत है तो फिर बांग्लादेश से व्यापार क्यों? राजनयिक रिश्ते क्यों? पूर्व प्रधानमंत्री को शरण क्यों? और अगर ये सब ठीक है तो फिर क्रिकेटर को निशाना क्यों? समझना होगा कि यह विवाद खेल का नहीं पहचान का है ध्रुवीकरण का है चुनावी मौसम की तैयारी का है।

> कोई भी बांग्लादेशी क्रिकेटर आईपीएल में न खेले।
> देवकीनंदन ठाकुर

> शेख हसीना भारत में शरण लेकर रह रही हैं जिनके रहन-सहन, सुरक्षा और सुविधाओं पर करोड़ों रुपये के खर्च की चर्चा है लेकिन वहां राजनीतिक चुप्पी है।

हसीना भारत में, लेकिन सवाल गायब

इस पूरे विरोध प्रकरण में सबसे बड़ा विरोधाभास यहीं है कि बंग्लादेशी पूर्व पीएम शेख हसीना जिनके कार्यकाल में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले किये गये विपक्ष पर दमनात्मक कार्रवाई हुई। मीडिया की आजादी पर सवाल उठते रहे आज भारत में शरण लिए हुए हैं। उनकी सुरक्षा, आवास, प्रोटोकॉल और सुविधाओं पर सरकारी खजाने से खर्च हो रहा है लेकिन कोई टीवी डिबेट नहीं, कोई सांसद सवाल नहीं किसी साधु-संत का कोई बयान नहीं क्यों? क्योंकि वहां सत्ता से टकराव है और यहां सिर्फ शाहरुख से।

देवकीनंदन के बाद बीजेपी सांसद का विरोध

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के बाद भारतीय जनता पार्टी के सांसद योगेंद्र चंदोलिया विरोध में उतरे हैं। उन्होंने मांग की है कि केकेआर को बांग्लादेशी खिलाड़ी के साथ कान्ट्रैक्ट खत्म कर देना चाहिए। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा है कि देवकीनंदन ठाकुर शायद धार्मिक नजरिए से बात कर रहे हैं लेकिन जिस तरह से बांग्लादेश में हमारे हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है और अगर शाहरुख खान को मुंबई या देश में रहना है तो वह कई भारतीय खिलाड़ियों को शामिल कर सकते थे। जानबूझकर उन्होंने एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को साइन किया है। साफ तौर पर विवाद खड़ा करने के लिए यह किया गया है जो गलत है। उसका कान्ट्रैक्ट खत्म कर देना चाहिए। इससे पहले देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि यह बात माननी चाहिए कि कोई भी बांग्लादेशी क्रिकेटर आईपीएल में न खेले। यहां के पैसे का प्रयोग हमारे हिंदू भाई बहनों के खिलाफ नहीं होना चाहिए। हम और हमारा सनातन बोर्ड उनसे जुड़े हुए सारे लोग व सच्चे सनातनी यही चाहते हैं। देवकीनंदन ठाकुर ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो सनातन धर्म से जुड़े लोग इसका विरोध करेंगे। हमारे पास भी अपनी रणनीति है और आने वाले समय में वे यह साबित करेंगे कि खेल के माध्यम से भी देशप्रेम कैसे दिखाया जा सकता है।

बंगाल में भाजपा की साजिश होगी नाकाम : अखिलेश

सपा प्रमुख का दावा- एकबार फिर सीएम बनेंगी ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर एकबार तीखा प्रहार किया है। यूपी के पूर्व सीएम ने 2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की भारी जीत की भविष्यवाणी करते हुए इसे भाजपा की साजिश की नाकामी बताया है। यह बयान अमित शाह के बंगाल दौरे और ममता सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच आया है, जिससे आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक टकराव तेज हो गया है।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 2026 के विधानसभा चुनावों में जीत का समर्थन करते हुए कहा कि भाजपा की साजिश नाकाम होगी। अखिलेश यादव ने दावा किया कि भाजपा 2026 में पश्चिम बंगाल और 2027 में उत्तर प्रदेश दोनों चुनाव हार जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भारी बहुमत से जीतेंगी। ये भाजपा वाले हर जगह साजिश रचते हैं। इस बार उनकी साजिश नाकाम होगी। पहले वे बंगाल में हारेंगे, फिर उत्तर प्रदेश में भी हारेंगे। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कोलकाता दौरे के दौरान राज्य के भाजपा कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए जोरदार आह्वान किया। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शाह ने कहा कि पिछले 14 वर्षों से पश्चिम बंगाल की पहचान भय और भ्रष्टाचार बन गया है। दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने शाह को महाभारत के एक पौराणिक पात्र दुशासन कहकर संबोधित किया। टीएमसी के स्थापना दिवस पर, उन्होंने मां-माटी-मनुष्य के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दोहराया और आम जनता के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। इसी बीच, अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री चुनाव आयोग के अधिकारियों को विशेष गहन संशोधन सूची के आंकड़ों में हेराफेरी करने के लिए उकसा रहे हैं।

कार्यकर्ता और नेता बूथ-बूथ पर पार्टी को मजबूत करने में जुट जाएं

अखिलेश यादव संदेश दिया कि कार्यकर्ता और नेता बूथ-बूथ पर पार्टी को मजबूत करने में जुट जाएं। सभी नेता और कार्यकर्ता अपना व्यवहार और भाषा ठीक रखें। जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुख के साथी बने। लगता है अखिलेश यादव के निशाने पर ब्राह्मण वोट बैंक है। तभी तो उनके चाचा शिवपाल यादव पहले ही ब्राह्मण विधायकों को साथ आने का न्योता दे चुके हैं। अब अखिलेश यादव संदेश दे रहे हैं कि वो उनके साथ हैं।

अधिकारियों को हेराफेरी करने को कहा जा रहा है

लखनऊ में अखिलेश यादव ने कहा, जब मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी गिनती से चार करोड़ वोट घटा दिए गए हैं, तो असल में वे अधिकारियों को हेराफेरी करने के लिए कह रहे थे,इस समय सामने आ रहे आंकड़े साबित करते हैं कि चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों को अपनी विश्वसनीयता साबित करनी होगी। क्योंकि अगर राज्य सरकार और एसआईआर के आंकड़ों में कोई विसंगति पाई जाती है, तो चुनाव आयोग को एसआईआर के उद्देश्य और पूरी संशोधन प्रक्रिया पर फिर से विचार करना होगा। मतदाताओं की सूची का विशेष गहन संशोधन राज्य में विवाद का विषय रहा है, जिसमें समाजवादी पार्टी ने चुनावी धांधली का आरोप लगाया है।

विधायक खड़े हो जाते तो सरकार का क्या होता

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लखनऊ में बाटी चोखा पार्टी की और इस दौरान बीजेपी पर जमकर निशाना साधते हुए और तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी के विधायक बैठकर पार्टी कर रहे थे। अगर वह खड़े हो जाते तो सरकार का क्या होता? हम सब लोग मिलकर के खाते पीते हैं। अभी तो वह विधायक बैठे-बैठे खा रहे थे। अगर वो कहीं सरकार के खिलाफ खड़े हो गए तो योगी सरकार का क्या होगा? दरअसल 21 दिसंबर को लखनऊ में बीजेपी के ब्राह्मण विधायक और एमएलसी सहभोज के बहाने इकट्ठा हुए थे। अब उसके बदले अखिलेश यादव ने नए साल के पहले दिन बाटी चौका पार्टी की जिसमें पार्टी के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए और बाटी चोखा खाया।

सपा की बाटी-चोखा पार्टी में जुटे दिग्गज

यह पार्टी लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में रखी गई। जिसमें शिवपाल यादव समेत अन्य सांसद-विधायक शामिल हुए। इस दौरान अखिलेश भाजपा पर निशाना साधना नहीं भूले। उन्होंने 23 दिसंबर को हुई भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर कहा, बाटी चोखा और लिट्टी-चोखा में सिर्फ क्षेत्रीय शाब्दिक भेद है। बराबरी का भाव रखने वालों के लिए मूलतः सब एक ही रूप है।

कश्मीरियों को निशाना बनाने वाले हिटलर की राह पर: फारूक अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में कश्मीरियों को निशाना बनाने वाले लोग हिटलर की राह पर चल रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे अतिवादी तत्व समय के साथ समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा, यह हमारी नियति है कि कुछ लोग ऐसे हैं जिनका लक्ष्य कुछ और ही है। वे हिटलर की राह पर चल रहे हैं और हिटलर जैसी व्यवस्था कायम करना चाहते हैं।

» बोले नेका अध्यक्ष- एक दिन इनका अंत होगा

कश्मीरियों पर हमलों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, लेकिन हिटलर खत्म हो गया, उसने खुद को गोली मार ली। वहां नाज़ीवाद का अंत हो गया, यहां भी एक समय आएगा, जब ये अतिवादी तत्व चले जाएंगे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने नये साल की शुरुआत पर शांति और भारत के पड़ोसी देशों के साथ दोस्ती के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा, नया साल शुरू हो गया है। ईश्वर बारिश और हिमपात करे ताकि हमारी कठिनाइयां कम हों। मैं प्रार्थना करता हूं कि हमारे देश में शांति बनी रहे और हम पड़ोसी देशों से मित्रता करें, ताकि हम इन मुश्किलों से बाहर निकल सकें।

आदिवासी अपनी जमीन एवं संसाधनों की रक्षा के लिए पेसा एक्ट का अध्ययन करें : सीएम सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आदिवासी समुदाय से पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) का पूरा लाभ उठाने के लिए उसका अध्ययन करने और उसके प्रावधानों को समझने की अपील की।

अलग झारखंड राज्य के गठन के लिए 1948 में आज ही के दिन पुलिस गोलीबारी में शहीद आदिवासियों को श्रद्धांजलि देने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि आदिवासी भूमि की रक्षा के लिए छोटानागपुर और संथाल परगना किरायेदारी अधिनियम पहले से ही मौजूद हैं, पेसा अधिनियम के कार्यान्वयन से ग्राम सभा एवं पंचायतें और मजबूत होंगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सोरेन ने कहा कि इस कानून की जानकारी के अभाव के कारण बाहरी लोग नियंत्रण स्थापित करने के लिए शहरीकरण का फायदा उठा रहे हैं। सोरेन ने कहा कि कई ग्राम प्रधानों (मानकी-मुंडा) के पास सैकड़ों एकड़ जमीन है, लेकिन सीएनटी और

एसपीटी अधिनियम के तहत मौजूदा सुरक्षा होने के बावजूद दलाल जमीन हड़प रहे हैं। सोरेन ने आदिवासियों से अपील की कि यदि उनकी जमीन का उपयोग खेती के लिए नहीं किया जाता है तो वे उसपर सौर पैनल लगाएं और सरकार उनके द्वारा उत्पादित बिजली खरीदने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा, इस तरह के दृष्टिकोण से उन्हें पैसा कमाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेसा अधिनियम के कार्यान्वयन के साथ, ग्रामीणों को अब ग्राम सभाओं और पंचायतों के माध्यम से उनके उचित अधिकार मिलेंगे, जिससे उन्हें अपने जल, जंगल, जमीन की रक्षा करने में मदद मिलेगी।

केसीआर और हरीश राव फांसी के लायक हैं : रेड्डी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर अविभाजित आंध्र प्रदेश की तुलना में तेलंगाना में सिंचाई परियोजनाओं में 'अधिक अन्याय' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि नदी के जल के उपयोग में हुए अन्याय के लिए पूर्व मुख्यमंत्री पूर्ववर्ती के चंद्रशेखर राव और उनके भतीजे टी. हरीश राव को 'फांसी' देना भी गलत नहीं होगा।

बीआरएस ने रेड्डी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने उसके दो नेताओं की मौत की कामना की है। नदी के जल संबंधी मुद्दों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं को सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी द्वारा दिए गए 'पावरप्वॉइंट प्रेजेंटेशन' में ये टिप्पणियां करते हुए, रेड्डी ने अपने मुद्दे को रेखांकित करने के लिए तेलंगाना के दिवंगत कवि कालोजी नारायण राव के एक उद्धरण का हवाला दिया, ''हम उन बाहरी लोगों को बाहर निकाल देंगे जो हमारा शोषण करते हैं, और यदि हमारे ही क्षेत्र के लोग हमारा शोषण करते हैं तो हम उन्हें जिंदा दफना देंगे।' रेड्डी की टिप्पणियों का जवाब देते हुए, बीआरएस के पूर्व विधायक एस निरंजन रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री एक तरफ के चंद्रशेखर राव को विधानसभा में आमंत्रित कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ''चंद्रशेखर राव और हरीश राव की मौत की कामना'' कर रहे हैं।

आयोग निष्पक्ष नहीं, बीजेपी की कठपुतली : मेमन

» टीएमसी का चुनाव आयुक्त पर तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद मजीद मेमन ने पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी की पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की आलोचना का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया था।

पश्चिम बंगाल की स्थिति अन्य राज्यों से अलग है। यहाँ के मतदाता प्रतिबद्ध हैं, यही कारण है कि भाजपा बंगाल में असफल रही। दुर्भाग्य से, चुनाव आयोग पहले की तरह निष्पक्ष नहीं रहा। पिछले कुछ चुनावों से आयोग संदेह के घेरे में है, और इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह केंद्र

में मौजूदा सरकार के पक्ष में काम कर रहा है। तृणमूल कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल में आयोजित हो रहे एसआईआर सहित लगभग 10 मुद्दों पर चर्चा की। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा को चुनौती दी है। बनर्जी ने कहा कि मतदाता सूची में, सॉफ्टवेयर में चोरी हो रही है, ईवीएम में नहीं, और उन्होंने सभी समान विचारधारा वाले दलों से अपील की।उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दल यह समझने में विफल रहे हैं कि 50 लाख से 1 करोड़ मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने और सूची से हटाने के लिए कौन से एल्गोरिदम और सॉफ्टवेयर चलाए जा रहे हैं और कहा कि अगर ऐसा नहीं हो रहा है, तो चुनाव आयोग को 1.36 करोड़ तार्किक विसंगतियों की सूची जारी करनी चाहिए।

तमिलनाडु में इस साल चुनाव नेता बुनने लगे सियासी दांव

डीएमके सरकार पर चौतरफा वार

» एआईडीएमके व भाजपा ने किया प्रहार

» कांग्रेस भी अपने सहयोगी पर बिफरी

» कांगेस नेता के बयान पर घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में इस साल चुनाव होने वाले है। अब वहां की डीएमके सरकार पर चारो तरफ से हमले होने लगें हैं। एआईडीएमके से लेकर भाजपा तक हमलावर है। दोनों वहां सीएम को घेर रहे हैं। वहं राज्य के ऋण से लेकर नशेबाजी तक को लेकर निशाने पर हैं। कांग्रेस भी उस हमला करती नजर आ रही है। उधर एक्टर व राजनेता विजय भी ताल ठोक रहे हैं। तमिलनाडु पर सभी राज्यों में सबसे अधिक बकाया कर्ज है। 2010 में उत्तर प्रदेश पर तमिलनाडु के कर्ज से दोगुने से भी अधिक कर्ज था। अब तमिलनाडु पर उत्तर प्रदेश से भी अधिक कर्ज है। कुछ लोग वर्तमान स्थिति की तुलना 1996 की स्थिति से करते हैं, जब राज्य में पार्टी का विभाजन हुआ था।

वहीं तमिलनाडु की कर्ज की स्थिति को चिंताजनक बताने वाले विवादित एआईसीसी नेता प्रवीण चक्रवर्ती पर भाजपा समर्थक होने का आरोप लगाते हुए डीएमके के शीर्ष नेतृत्व ने तमिलनाडु एनसीसी अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथोगई के समक्ष यह मुद्दा उठाया। सेल्वपेरुंथोगई ने चक्रवर्ती की टिप्पणियों की कड़ी निंदा की और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। पूर्व मंत्री एस. थिरुनावुक्करसर, सांसद ज्योतिमणि और सांसद शशिकांत सेंथिल जैसे कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी चक्रवर्ती की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई है। चक्रवर्ती ने कहा था, तमिलनाडु पर सभी राज्यों में सबसे अधिक बकाया कर्ज है। 2010 में उत्तर प्रदेश पर तमिलनाडु के कर्ज से दोगुने से भी अधिक कर्ज था। अब तमिलनाडु पर उत्तर प्रदेश से भी अधिक कर्ज है। कुछ लोग वर्तमान स्थिति की तुलना 1996 की स्थिति से करते हैं, जब राज्य में पार्टी का विभाजन हुआ था।

पलानीस्वामी व भाजपा ने भी डीएमके पर साधा निशाना

एआईएडीएमके के एडप्पाडी पलानीस्वामी ने हाल ही में मक्कलाई कप्पम, थमिलगाथाई मीटपोम (जनता की रक्षा करो, तमिलनाडु बचाओ) यात्रा का समापन किया, जिसमें उन्होंने डीएमके को विफलताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया। दोनों गठबंधन सहयोगियों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रमुख योजनाओं पर प्रकाश डाला। एआईएडीएमके की तीन महीने की 12,000 किलोमीटर की यात्रा में 175 बैठकों में सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों को शामिल किया गया। एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने शपथ ली, हम लोगों की रक्षा करेंगे, तमिलनाडु को बचाएंगे। एआईएडीएमके की सहयोगी भाजपा ने भी डीएमके को अपने तमिलगम थलाई निमिर तमिलनिन पयानम (एक तमिलियन की गौरव यात्रा) अभियान के जरिए निशाना बनाया है, जो अक्टूबर 2025 में शुरू हुआ था और जिसमें कई जनसभाएं, संवाद और बाइक रैलियां शामिल थीं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन के नेतृत्व में, राज्यव्यापी यात्रा, जो जनवरी 2026 में समाप्त होगी, ने डीएमके सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार को उजागर किया।

एआईएडीएमके चुनावी रणभूमि में उतरने की तैयारी

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) ने आगामी तमिलनाडु चुनावों की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए जिला सचिवों के साथ एक परामर्श बैठक की। एआईएडीएमके के महासचिव और तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता एडप्पाडी के.

पलानीस्वामी ने चेन्नई के रॉयपेट्टा स्थित पार्टी मुख्यालय में हुई इस बैठक की अध्यक्षता की। पूर्व मंत्री और एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता डी. जयकुमार ने कहा, इस बैठक में 2026 के विधानसभा चुनावों से संबंधित तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह पार्टी की आंतरिक बैठक थी। हम अंदर हुई चर्चाओं का खुलासा सार्वजनिक रूप से नहीं कर सकते।

जनवरी में तमिलनाडु दौरे पर रहेंगे शाह

केंद्रीय मंत्री अमित शाह के जनवरी में तमिलनाडु दौरे पर आने की संभावना है। उनके दो दिवसीय प्रस्तावित दौरे में पार्टी नेताओं के साथ बैठकें शामिल होंगी। पार्टी सूत्रों ने एएनआई को बताया कि वे एक जनसभा और पदाधिकारियों के साथ चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक भी करेंगे।

तमिलनाडु में बनेगी एनडीए की सरकार : मेघवाल

केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने तमिलनाडु में डीएमके सरकार के खिलाफ मजबूत सत्ता-विरोधी लहर का दावा करते हुए आगामी चुनावों में एनडीए की जीत का विश्वास जताया है। उन्होंने मतदाता सूची संशोधन (एसआईआर) पर विपक्ष की आलोचना को खारिज करते हुए इसे एक नियमित प्रक्रिया बताया। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की विपक्षी दलों द्वारा पूरे वर्ष आलोचना की गई और वर्तमान समय में भी विवाद जारी है। सरकार और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के खिलाफ कई सवाल उठ रहे हैं, राज्यों में सत्ताधारी दल आरोप लगा रहे हैं कि केंद्र सरकार चुनाव निकाय का दुरुपयोग कर रही है। एएनआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने आगामी चुनावों में भाजपा की जीत का विश्वास व्यक्त किया, जिसका कारण उन्होंने तमिलनाडु में डीएमके के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर और एआईएडीएमके जैसे मजबूत गठबंधनों को बताया। उन्होंने ममता बनर्जी (टीएमसी) की आलोचना को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। मेघवाल के अनुसार, एसआईआर प्रक्रिया एक

नियमित प्रक्रिया है और इसका उद्देश्य मतदाता सूचियों को साफ करना है। उनका दावा है कि विपक्ष चुनावी विफलताओं के कारण चुनाव आयोग को दोषी ठहरा रहा है। मेघवाल ने एएनआई को बताया कि यह पहली बार नहीं है जब मतदाता सूची संशोधन कराया जा रहा है। अगर मतदाता सूची में अयोग्य नाम हैं, तो उन्हें हटाया जाना चाहिए और अगर योग्य नाम नहीं है, तो उन्हें जोड़ा जाना चाहिए। मतदाता सूची संशोधन का यही उद्देश्य है। मानसून सत्र के दौरान बिहार को लेकर एक बड़ा मुद्दा उठा था। बिहार चुनाव हुए और जनता ने राहुल गांधी को करारा जवाब दिया। उसके बाद, उन्होंने शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में इस मामले पर चर्चा की और संसद ने भी उन्हें करारा जवाब दिया। इस बार तमिलनाडु में एनडीए विजयी होगा।

डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश

चक्रवर्ती के बयान पर पलटवार करते हुए सेल्वपेरुंथोगई ने कहा कि एआईसीसी नेता राज्य में डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं थिरुनावुक्करसर ने भविष्य में केंद्र में भी कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए गठबंधन की आवश्यकता पर बल दिया। हालांकि, कुछ कांग्रेस नेता पार्टी हाई कमांड को डीएमके से संबंध तोड़ने और विजय की तमिलगा वेत्री कजगम (टीवीके) के साथ गठबंधन करने की सलाह दे रहे हैं। इससे पहले, चक्रवर्ती, जिनका राज्य कांग्रेस में भी जमीनी स्तर पर कोई समर्थन नहीं है, ने विजय से मुलाकात कर उनसे लंबी बातचीत करके विवाद खड़ा कर दिया था। यह भी कहा जा रहा है कि चेन्नई में मौजूद कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने टीवीके के कुछ नेताओं से मुलाकात की, जिससे संकेत मिलता है कि दिल्ली में कांग्रेस नेताओं और टीवीके नेताओं के बीच तमिलनाडु परिषद के नेताओं को दरकिनार करते हुए संचार का एक समानांतर चैनल खुल गया है। लेकिन डीएमके नेता विभिन्न घटनाक्रमों को लेकर तमिलनाडु परिषद के समक्ष अपनी आपत्तियां उठा रहे हैं और सेल्वपेरुंथोगई 2026 के विधानसभा चुनावों में डीएमके के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन की पुष्टि कर रहे हैं। डीएमके ने सत्ता में हिस्सेदारी और सीटों में भारी बढ़ोतरी की मांग को मानने से इनकार कर दिया है, वहीं पार्टी नेताओं ने इस मांग पर चिंता भी जताई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, गठबंधन के जीतने पर वे ज्यादा से ज़्यादा तीन सीटें ही दे सकते हैं, लेकिन सत्ता में हिस्सेदारी की संभावना को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सूत्रों ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस सीटों के बंटवारे से संतुष्ट नहीं है, तो वह गठबंधन से बाहर निकल सकती है। हालांकि, चोडंकर और चक्रवर्ती जैसे नेताओं के विपरीत, जिनका क्षेत्रीय संबंधों या राजनीतिक हितों से कोई नाता नहीं है, अधिकांश स्थानीय कांग्रेस नेता फिलहाल गठबंधन में बने रहने के पक्ष में हैं और वे टीवीके को चुनाव जीतने के लिए वैकल्पिक सहयोगी के रूप में नहीं देखते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकारों को पर्यावरण की परवाह नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी मूकदर्शक की तरह बैठे रहे और अदालत ने खुद मामले में संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया। इस मामले में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

अरावली हो, नर्मदा हो या उत्तराखंड जहां भी अवैध कार्य कर वजह से पर्यावरण नष्ट हो रहा है वह मनुष्य का लालच तो है ही साथ ही भारत वोट बैंक का लालच भी एक बड़ा कारण है। हालांकि सरकारों की मनमानी नहीं चल पाती क्यों कि न्यायलय समय-समय पर उन पर नकेल कसता रहता है। सत्तारुढ़ दलों को इस कदर हाथ बांधे रखने के लिए मजबूर रखता है कि बेशक प्राकृतिक आपदाओं के विनाश से लोगों की जान ही क्यों न चली जाए। इसकी सरकारों को चिंता-परवाह नहीं है। लगता है उनका एकमात्र उद्देश्य बन गया है हर हाल में वोट बैंक को बनाए रखना। ऐसी प्रवृत्ति की पुनरावृत्ति तब सामने आई सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार के प्रति जबरदस्त नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी मूकदर्शक की तरह बैठे रहे और अदालत ने खुद मामले में संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया। इस मामले में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से उत्तराखंड देश का सर्वाधिक संवदेनशील राज्य है। हर साल होने वाली प्राकृतिक आपदा भारी तबाही मचाती है। जिससे जान-माल का भारी नुकसान होता है। इसका प्रमुख कारण है प्रकृति से छेड़छाड़। इसमें विकास के नाम पर वनों का विनाश और वन भूमि पर अतिक्रमण प्रमुख है। पिछले आठ वर्षों में उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3,554 लोगों की जान गई, 5,948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। मानसून का मौसम लगातार घातक साबित होता है, जिससे राज्य की पहले से ही नाजुक भूभाग पर हर साल एक नया घाव हो जाता है। बादल फटने से धारली में आई भीषण बाढ़ में 5,948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। उत्तराखंड एक खतरनाक चक्र में फंस गया है। व्यापक और सक्रिय आपदा प्रबंधन के अभाव में, देवभूमि (देवताओं की भूमि) प्रकृति के प्रकोप से लगातार क्षतिग्रस्त होती रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों से हो रही देवदार के पेड़ों की कटाई ही उत्तरकाशी में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं का मुख्य कारण है। देवदार के पेड़ों की जड़ें घनी होती हैं जो मिट्टी को बांधकर रखती हैं, कटाव को रोकती हैं और भारी बारिश या भूस्खलन के दौरान मलबे और पानी के बहाव को रोककर संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों की रक्षा करती हैं। वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि यदि धराली में ऐतिहासिक देवदार के वन क्षेत्र बरकरार रहते, तो इस आपदा का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता, या शायद नगण्य ही हो जाता।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देश के अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में अहम उड़ान

डॉ. शशांक द्विवेदी

भारत ने सिद्ध कर दिया है कि वह केवल अंतरिक्ष तक पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष तकनीक में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ता राष्ट्र है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा एलवीएम3-एम6 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण यह साबित करता है कि भारत अब केवल एक सीखने वाला देश नहीं रहा, बल्कि अपनी तकनीक और क्षमता के बल पर नई दिशा तय कर रहा है। यह सफलता केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की सोच, नीति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। भारत ने जब अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट अंतरिक्ष में भेजा था, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन भारत भारी उपग्रहों को अपने दम पर अंतरिक्ष में स्थापित करेगा। आज उपग्रह हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। मोबाइल संचार, इंटरनेट, मौसम की जानकारी, टीवी प्रसारण, कृषि सलाह, आपदा प्रबंधन और सीमा सुरक्षा—इन सभी में अंतरिक्ष तकनीक की अहम भूमिका है।

एलवीएम3 जैसे शक्तिशाली रॉकेट यह भरोसा देते हैं कि देश अब अपनी जरूरतों के लिए किसी और पर निर्भर नहीं है। एलवीएम3 भारत का सबसे ताकतवर प्रक्षेपण यान है। पहले इसे जीएसएलवी मार्क-3 के नाम से जाना जाता था। इसका उपयोग भारी उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने के लिए किया जाता है। एलवीएम3-एम6 इस रॉकेट का छठा सफल मिशन है, जिसमें उपग्रह को तय योजना के अनुसार सुरक्षित रूप से उसकी कक्षा में स्थापित किया गया। इस मिशन की सफलता यह दिखाती है कि इसरो की तकनीक अब पूरी तरह से भरोसेमंद हो चुकी है। एलवीएम3 रॉकेट तीन चरणों में काम करता है। पहले चरण में ठोस ईंधन वाले दो बड़े बूस्टर रॉकेट को तेजी से ऊपर ले जाते हैं। दूसरे चरण में तरल ईंधन वाला इंजन रॉकेट को स्थिर गति देता है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन काम करता है, जो उपग्रह को सटीक कक्षा में पहुंचाता है। भारत के लिए क्रायोजेनिक तकनीक लंबे समय तक चुनौती रही, लेकिन आज यह पूरी तरह स्वदेशी बन चुकी है। एलवीएम3-एम6 मिशन 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की एक सशक्त मिसाल है।

इस रॉकेट में इस्तेमाल होने वाली अधिकांश तकनीक और उपकरण देश में ही विकसित किए गए हैं। इससे विदेशी निर्भरता कम हुई है, साथ ही, देश में उच्च तकनीकी उद्योगों को भी बढ़ावा मिला है। यह उपलब्धि बताती है कि भारत जटिल तकनीकों को समझने और विकसित करने में सक्षम

है। अब भारत का सपना है कि वह अपने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजे। इस सपने को पूरा करने के लिए गगनयान मिशन पर काम चल रहा है। एलवीएम3 रॉकेट इसी मिशन की रीढ़ है। एलवीएम3-एम6 से मिले अनुभव और आंकड़े मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी में मदद करेंगे। इससे रॉकेट की सुरक्षा, विश्वसनीयता और प्रदर्शन को और बेहतर बनाया जा सकेगा। अंतरिक्ष आज विज्ञान का ही क्षेत्र नहीं रहा। यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। संचार उपग्रह, निगरानी उपग्रह व नेविगेशन सिस्टम देश की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। एलवीएम3 जैसे रॉकेट भारत को यह ताकत देते हैं कि वह अपने रणनीतिक उपग्रह खुद लॉन्च कर सके। इससे देश की सुरक्षा और मजबूत होती है। अंतरिक्ष क्षेत्र अब एक बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन चुका है। दुनियाभर में सैटेलाइट लॉन्च, डेटा सेवाओं और अंतरिक्ष अनुसंधान में भारी निवेश हो रहा है। एलवीएम3 की सफलता भारत को इस वैश्विक बाजार में मजबूत स्थान दिलाएगी। इससे कंपनियों, स्टार्टअप्स और युवाओं के लिए नए रोजगार व अवसर पैदा होंगे। अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल सरकारी प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहा। एलवीएम3-एम6 जैसे मिशन देश के युवाओं को प्रेरित करेंगे। अब विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कैरियर बनाकर देश की सेवा की जा सकती है। आज जब युवा विदेश जाने का सपना देखते हैं, तो ऐसे मिशन उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि भारत में भी विश्वस्तरीय काम हो रहा है। इसरो की पहचान कम लागत में बड़े काम करने की रही है। एलवीएम3 भी इसका उदाहरण है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने ऐसा रॉकेट विकसित किया है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। यह भारत की कार्यसंस्कृति और योजना क्षमता को दर्शाता है। इस सफलता से भारत की छवि भरोसेमंद अंतरिक्ष संबंधी तकनीकी क्षमता वाले राष्ट्र के रूप में मजबूत हुई। अब कई देश भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाना चाह रहे हैं। भारत आने वाले वर्षों में चंद्रयान, गगनयान और अन्य अंतरिक्ष अभियानों पर काम करेगा। इन सभी अभियानों की सफलता का आधार एलवीएम3 जैसे रॉकेट हैं। इसका सफल प्रक्षेपण केवल एक रॉकेट की उड़ान नहीं है। यह भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास, तकनीकी क्षमता और भविष्य की तैयारी का प्रतीक है। यह प्रक्षेपण भारत के सपनों को नई ऊंचाई देने वाला कदम है—एक ऐसा कदम, जो देश को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में और करीब ले जाएगा।

खुद को बेहतर मनुष्य बनाने की करें नई शुरुआत

कृष्ण प्रताप सिंह

देश का दिल कहलाने वाली राजधानी दिल्ली इन दिनों जहरीले हवा-पानी के कारण अपने शहरियों की सेहत के लिए कोरोना के बाद का सबसे बड़ा संकट झेल रही है। दिल्ली के अखबारों में छपी वर्षांत छोटी-छोटी बात में जानलेवा हिंसा की खबरें चीख-चीख कर यह जता रही हैं कि उसकी सामाजिक सेहत और भी खराब है, इतनी खराब कि उसके कई निवासियों को सहज मनुष्यता से भी महरूम कर, उन्हें मनुष्य की जगह हत्यारा बना दिया है। लेकिन दिल्ली ही क्यों, इन्हीं अखबारों में छपी गोरखपुर की उस खबर को पढ़ लें, जिसमें ग्यारहवीं के एक छात्र को ह्वाट्सएप पर लगाये उसके एक स्टेटस से खफा सिरफिरों ने उसके कालेज में ही गोलियों से भून डाला, तो साफ हो जाता है कि शेष देश का हाल भी कुछ अच्छा नहीं है।

साफ कहें तो वहां की सामाजिकता भी इतने अंदेशों के हवाले है कि सिर्फ वही अपने को सुरक्षित अनुभव कर सकते हैं, जो किसी की असुविधा के कारण नहीं हैं। लेकिन इस लिहाज से, इसके बावजूद, उनकी मुश्किलों का अंत बहुत मुश्किल है कि जो हालात हैं, उनमें बहुत चाहकर भी किसी की असुविधा का कारण न बनना संभव नहीं हो पा रहा। बढ़ता धार्मिक व साम्प्रदायिक विद्वेष और प्रदूषित राजनीतिक प्रतिद्वंद्विताएं बेतरह इसके आड़े आ रही हैं। तिस पर आम लोगों की बात करें तो वे अपने एकांत में तो अकेले हैं ही, भीड़ भरी सड़कों पर भी अकेले ही हैं। क्योंकि जब भी उनके जैसे किसी निरीह या निर्दोष पर कोई प्रहार होता है, भरी हुई सड़कें देखकर भी कुछ नहीं देखतीं। बुजदिली की शरण में चली जाती और मृत्यु से पहले ही मर जाती हैं। माब लिंचिग जैसी

> याद आता है, अपने वक्त के जमीर की आवाज मिर्जा गालिब ने भी उस वक्त की लगभग इसी तरह की बेबसी को इन शब्दों में व्यक्त किया था - बस-कि दुश्वार है हर काम का आसां होना, आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना। ऐसे में यह सवाल भी बहुत स्वाभाविक है कि क्या हम अपनी मनुष्यता के लिहाज से ग़ालिब के वक्त में ही खड़े रह गये हैं?

वारदातों के वक्त बढ़-चढ़कर बहादुरी प्रदर्शित करने वालों का पौरुष उस वक्त जानें कहां चला जाता है। शायद इसलिए कि उनके निकट मारना बचाने से बड़ा जीवन-मूल्य हो गया है और किसी की रक्षा के लिए अपनी जान खतरे में डालने का जोखिम उन्हें इतना बड़ा लगता है कि वे उसको उठा नहीं पाते।

ऐसे में जब कभी धूमधाम से आई इक्कीसवीं शताब्दी के एक चौथाई वर्ष निःशेष होने वाले हैं और बर्फीली हवाएं ठिठुरन बनकर तन-मन को बेधे जा रही हैं, आगे मनुष्य के मनुष्य ही न रह पाने के अंदेशे जताती इन खबरों के बीच जो बात सबसे ज्यादा सताती है, वह, निस्संदेह, स्मृतिशेष वीरेन डंगवाल द्वारा अरसा पहले अपनी एक कविता में पूछे गये इस सवाल के अनुत्तरित रह जाने से पैदा हुई है आखिर हमने कैसा समाज रच डाला है, जिसमें जो कुछ भी चमक रहा है काला है? याद आता है, अपने वक्त के जमीर की आवाज मिर्जा गालिब ने भी उस वक्त की लगभग इसी तरह की बेबसी को इन शब्दों में व्यक्त किया था बस-कि दुश्वार है हर काम का आसां होना, आदमी को भी मयस्सर नहीं इंसां होना।

ऐसे में यह सवाल भी बहुत स्वाभाविक है कि क्या हम अपनी मनुष्यता के लिहाज से ग़ालिब के वक्त में ही खड़े रह गये हैं? अगर नहीं तो क्यों हमारे बीच कोई इतना बेदर्द है कि इन हालात में नये साल की शुभकामनाएं देते हुए उसका कलेजा फटने को नहीं आ जाता और क्यों जगजीत सिंह की गाई इस मशहूर गजल के शायर को कहना पड़ता है कि तुमको ये नया साल मुबारक हो दोस्तो, मैं जख्म गिन रहा हूं अभी पिछले साल के! पिछला वर्ष इस तरह कलेजा निकाल कर जायेगा तो कौन इस भ्रम के सहारे खुश हो सकता है कि इक बरहमन ने कहा है कि साल अच्छा है या कि किस्से बनेंगे अबके बरस भी कमाल के। अगर पिछले साल के जख्म गिनने की विडम्बना उसका साथ नहीं छोड़ती तो इस बात से क्या फर्क पड़ता है कि मीर-ए-कारवां को यह देखने की फुर्सत है या नहीं कि वह आ रहा है पांव के कांटे निकाल के! यहां कह सकते हैं कि 2025 ने बहुत से जख्म दिए तो छाती चौड़ी करने के अनेक मौके भी।

लेकिन इस बात का क्या करें कि इससे यह गम गलत नहीं होता कि उसने हमें मनुष्यता के उदात्तीकरण की ओर ले जाने के बजाय उसके अवसान के अंदेशे ही प्रबल किये हैं। ये अंदेशे उत्सव बनते बड़े-बड़े युद्धों और उनमें निरीह बच्चों तक के संहारों में ही नहीं, हमारे निजी व सामाजिक जीवन की छोटी-छोटी कुटिलताओं में भी नजर आते हैं। बकौल कविवर हरीशचंद्र पांडे, 'नया साल मुबारक हो' कहते हुए लगता है कि हम झाड़ियों के उलझाव से बाहर निकलने की कोशिश करती बैलों के गले में बंधी घंटियों में बदल गये हैं। इस खतरे की घंटी को, अभी और अभी, फौरन से पेश्तर सुने जाने की जरूरत है। इसलिए कि हमारी आज की सबसे बड़ी जरूरत मनुष्य के रूप में अपनी रक्षा की है। हम यह रक्षा कर पाये तो वह सब भी फिर से पाने की उम्मीद कर सकते हैं, जो पहले गंवा आये हैं। लेकिन नहीं कर पाये तो? इस सवाल का जवाब भला किसे मालूम नहीं? और किसे नहीं मालूम कि उससे बचने का एक ही तरीका है कि हम नये साल में प्राणपण से अपनी मनुष्यता को बचायें और बेहतर बनायें।

बालों को ये गलतियां पहुंचा सकती हैं नुकसान

मौसम के बदलने के समय शरीर के साथ-साथ हमारे बालों की सेहत पर भी गहरा असर पड़ता है। ठंड, गर्मी, और बारिश के बदलाव से बाल कमजोर हो जाते हैं, टूटने लगते हैं और झड़ना भी शुरू हो जाता है लेकिन अक्सर हम कुछ ऐसी गलतियां करते हैं जो बालों के नुकसान को और बढ़ा देती हैं। ये गलतियां हमारी रोजमर्रा की आदतों में छुपी होती हैं, जिनका हमें ध्यान रखना चाहिए। तो अगर आप अपने बालों को मजबूत, स्वस्थ और घने रखना चाहते हैं तो इन गलतियों को दोहराने से बचें।

हेयर प्रोडक्ट्स का ज्यादा इस्तेमाल

बालों में जितना हो सके प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करें। केमिकल युक्त शैंपू, कंडीशनर या हेयर स्प्रे का बार-बार इस्तेमाल बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। घरेलू नुस्खे इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसकी भी एक लिमिट तय करें। किसी भी चीज का ज्यादा इस्तेमाल बालों को कमजोर बना देता है।

गर्म पानी का इस्तेमाल

बहुत से लोगों को हमेशा गर्म पानी से ही नहाना पसंद होता है, और वो हेयर वॉश भी गर्म पानी से ही करते हैं। बालों में गर्म पानी न सिर्फ उनकी नमी को छीन लेता है, बल्कि इसकी वजह से बाल बाल रूखे और झड़ने लगते हैं। ऐसे में हमेशा एक दम सादा या ठंडे पानी से ही बाल धोएं। ध्यान रखें कि पानी ज्यादा ठंडा भी न हो।

बालों को जोर से कंघी करना

बालों को सुलझाने के लिए हम कंघी करते हैं। इससे बाल उलझते नहीं है, जिससे झड़ने या बालों के टूटने का रिस्क कम हो जाता है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो बहुत ज्यादा कंघी करते हैं। उन्हें लगता है कि बार-बार कंघी करने से बालों सिल्की हो जाएंगे और दिखने में अच्छे लगेंगे। लेकिन बहुत ज्यादा कंघी करने से बालों पर अच्छा असर नहीं पड़ता। इसके बजाय, बालों को नुकसान हो सकता है। क्योंकि जल्दबाजी में हम अक्सर अपने बालों में जोर-जोर से कंघी करने लगते हैं, जिससे बाल खिंचते हैं और इनकी जड़ें कमजोर होती हैं। इसके साथ-साथ गीले बालों को अगर तौलिए से जोर से रगड़ा जाए तो भी बाल झड़ने लगते हैं। इसके अलावा आप अपने बालों को खोलकर सोएं। बालों को कसे हुए बांधकर सोना बालों को नुकसान पहुंचा सकता है और टूटने की समस्या बढ़ा सकता है।

गीले बालों को बांध लेना

ज्यादातर लड़कियों की यह आदत होती है कि वे अपने बालों को धोने के बाद उन्हें सुखाए बिना ही बांध लेती हैं। यह आदत काफी ज्यादा आम होती है कभी ऑफिस जाने की जल्दबाजी में तो कभी घर के कामों को जल्दी से निपटाने की हड़बड़ी में महिलाएं अक्सर ऐसा कर देती हैं। आपकी यह आदत आपको नॉर्मल भले ही लगती है लेकिन यह छोटी-सी आदत आपके बालों के लिए बड़ी प्रॉब्लम्स खड़ी कर सकती है? ऐसे में बालों में एक तो फंगस इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है और उसके साथ-साथ इससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं। जिस कारण बाल तेजी से टूटते हैं। इतना ही नहीं आपकी इस आदत की वजह से डैंड्रफ की समस्या भी काफी तेजी से बढ़ सकती है।

हर दिन बाल धोना

हर किसी की बाल धोने की दिनचर्या अलग-अलग होती है। कुछ लोग अपने बालों को प्रतिदिन शैम्पू करना पसंद करते हैं जबकि अन्य लोग सप्ताह में केवल एक बार अपने बालों को शैम्पू करते हैं। वहीं बदलते मौसम में अक्सर ऐसा लगता है कि बाल काफी चिपचिपे हो रहे हैं। ऐसे में लोग बालों को सही करने के लिए हर दिन हेयर वॉश कर लेते हैं, जबकि ऐसा कभी नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से बालों की नमी धीरे-धीरे कम होने लगती है, जिस कारण वो कमजोर टूटने लगते हैं। बालों की देखभाल में संतुलन जीवंत बालों की कुंजी है, दैनिक सफाई से अशुद्धियां दूर हो सकती हैं, लेकिन सावधानीपूर्वक संयम प्राकृतिक तेलों को संरक्षित करता है, जिससे एक स्वस्थ और चमकदार बाल सुनिश्चित होता है।

हंसना मना है

दुकानदार- बताइए जनाब क्या चाहिए? राहुल-अपनी होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए, दुकानदार-यहीं खाओगे या पैक कर दूं?

एक कंजूस के लड़के को बनिया की लड़की से प्रेम हो गया, लड़की- जब पिताजी सो जाएगें, तो मैं गली में सिक्का फेंकुंगी, आवाज सुनकर तुरन्त अन्दर आ जाना, लेकिन लड़का सिक्का फेंकनें के एक घन्टे बाद आया, लड़की- इतनी देर क्यों लगा दी, लड़का-वो मैं सिक्का ढूंढ रहा था, लड़की- अरे पागल वो तो धागा बांधकर फेंका था, वापस खींच लिया।

चचा वोट डालकर बाहर आए और पोलिंग एजेंट से पूछा-तेरी चाची वोट डाल गई क्या? एजेंट ने लिस्ट चेक कर के कहा- जी चचा वह वोट डाल गई! चचा भरे गले से बोले- जल्दी आता तो शायद मिल जाती! पोलिंग एजेंट- क्यों चाचा आप साथ नहीं रहते? चाचा-बेटा उसे मरे हुए 15 साल हो गए , हर बार वोट डालने आती है पर मिलती नहीं!

टीचर- बताओ मंकी को हिंदी में क्या बोलते हैं? स्टूडेंट- बंदर, टीचर- किताब से देख कर बोला है न? स्टूडेंट- नहीं, मैंने तो आपको देख कर बोला...

कहानी | ब्राह्मण और सांप

एक बार की बात है किसी नगर में हरिदत्त नाम का ब्राह्मण रहता था। उसके पास खेत थे, लेकिन उनमें ज्यादा पैदावार नहीं होती थी। एक दिन हरिदत्त अपने खेत में एक पेड़ के नीचे सोया हुआ था। जैसे ही हरिदत्त की आंख खुली उसने देखा कि एक सांप अपना फन फैलाए बैठा हुआ है। ब्राह्मण को अहसास हुआ कि यह कोई साधारण सांप नहीं है, बल्कि कोई देवता है। ब्राह्मण ने निर्णय लिया कि वह आज से इस देवता की पूजा करेगा। हरिदत्त उठा और कहीं से जाकर दूध ले आया। उसने मिट्टी के बर्तन में सांप को दूध पिलाया। दूध पिलाते समय हरिदत्त ने सांप से क्षमा मांगते हुए कहा कि हे देव! मैं आज तक आपको साधारण सांप समझता रहा मुझे माफ कर दीजिए। अपनी कृपा दृष्टि से मुझे बहुत सारा धन-धान्य प्रदान करें प्रभु। ऐसा कहकर हरिदत्त अपने घर वापस आ गया। अगले दिन जब वह अपने खेत पहुंचा, तो उसने देखा कि जिस बर्तन में उसने कल सांप को दूध पिलाया था, उसमें एक सोने का सिक्का पड़ा हुआ है। हरिदत्त ने वो सिक्का उठा लिया। अब हरिदत्त रोज सांप की पूजा करने लगा और सांप रोज उसे एक सोने का सिक्का देने लगा। कुछ दिन बाद हरिदत्त को दूर किसी देश जाना पड़ा, तो उसने अपने बेटे से कहा कि तुम खेत में जाकर सांप देवता को दूध पिला आना। अपने पिता की आज्ञा से हरिदत्त का बेटा खेत में गया और सांप के बर्तन में दूध रख आया। अगली सुबह जब वह सांप को दूध पिलाने गया, तो उसने देखा कि वहां सोने का सिक्का रखा हुआ है। हरिदत्त के बेटे ने वो सोने का सिक्का उठा लिया और मन ही मन सोचने लगा कि जरूर इस सांप के बिल में सोने का भंडार है। उसने सांप के बिल को खोदने का फैसला किया, लेकिन उसे सांप का बहुत डर था। हरिदत्त के बेटे ने योजना बनाई कि जैसे ही सांप दूध पीने आएगा, तो वह उसके सिर पर लाठी से वार करेगा, जिससे सांप मर जाएगा। सांप के मरने के बाद मैं तसल्ली से बिल खोदूंगा और उसमें से सोना निकाल कर अमीर आदमी बन जाऊंगा। लड़के ने अगले दिन ऐसा ही किया, लेकिन जैसे ही उसने सांप के सिर पर लाठी मारी, तो वो मरा नहीं बल्कि गुस्से से भर उठा। सांप ने क्रोध में लड़के के पैर में अपने विष भरे दांतों से काटा और लड़के की उसी समय मौत हो गई। हरिदत्त जब वापस लौटा, तो उसे यह जानकर बहुत दु:ख हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नए साल के पहले दिन भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। मनोबल बढ़ने से तनाव कम होगा।

वृषभ

नए साल में बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। परिवार की चिंता रहेगी।

मिथुन

आज के दिन यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है।

कर्क

नवीन वर्ष में नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। यात्रा आज नहीं करें।

सिंह

आज धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है।

कन्या

आज व्यापार लाभप्रद रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें।

तुला

नए साल के पहले दिन भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक

आज भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। दुस्साहस न करें।

धनु

नए साल के पहले दिन अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। योजनाएं फलीभूत होंगी।

मकर

आज व्यवसाय ठीक चलेगा। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा।

कुम्भ

रोजगार में वृद्धि होगी। नए साल के पहले दिन यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन

नए साल के पहले दिन पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी।

अब ओटीटी पर रिलीज होगी इमरान हाशमी-यामी गौतम की फिल्म 'हक'

इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म 'हक' जब सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, तब क्रिटिक्स ने फिल्म को काफी सराहा था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। शाह बानो बेगम के केस पर आधारित यह फिल्म अब घर बैठे देख सकेंगे। क्योंकि अब 'हक' ओटीटी पर रिलीज होने वाली है।

शाह बानो केस पर आधारित 'हक' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज को तैयार है। इमरान हाशमी और यामी गौतम की फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। फिल्म 2 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर हक का पोस्टर शेयर करते हुए इसकी घोषणा की। डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर से पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'घर की चार दीवारों से अदालत तक। यह सफर मजबूरी का नहीं,

हिम्मत का है। 2 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर हक देखें।'

सुपर्न वर्मा द्वारा निर्देशित यह कोर्टरूम ड्रामा शाह बानो बेगम के जीवन और कानूनी संघर्ष से प्रेरित है। इनके ऐतिहासिक 1985 के केस ने सुप्रीम कोर्ट को तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म की कहानी शाजिया (यामी गौतम) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक सीधी-सादी, अशिक्षित महिला है और जिसकी शादी अब्बास खान (इमरान हाशमी) से होती है, जो एक सफल वकील है। एक दिन अचानक अब्बास दूसरी पत्नी को घर ले आता है। कुछ समय बाद ही वह तीन तलाक देकर उनका वैवाहिक जीवन समाप्त कर देता है। फिल्म में अपने अधिकारों के लिए शाजिया की कानूनी लड़ाई को दिखाया गया है।

नए साल पर पवन कल्याण के फैंस को मिला तोहफा, नई फिल्म की हुई घोषणा

साउथ सिनेमा

पावरस्टार कहे जाने वाले पवन कल्याण के आंध्र प्रदेश का उपमुख्यमंत्री बनने के बाद फैंस को लगा था कि वो फिल्मों से दूरी बना लेंगे। बीच में ऐसी खबरें भी आई थीं। लेकिन अब 2026 की शुरुआत के साथ ही पवन कल्याण के फैंस को तोहफा मिला है। मेकर्स ने उनकी फिल्म की घोषणा की है। पवन कल्याण ने नए साल की शुरुआत नई फिल्म से की है। निर्माता राम तल्लूरी ने नए साल के मौके पर 1 जनवरी 2026 को इस बात की जानकारी देते हुए एक्स पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट में राम ने बताया है कि पवन कल्याण ने सुरेंद्र रेड्डी द्वारा निर्देशित और वक्कंथम वामसी द्वारा लिखित एक फिल्म साइन की है। राम तल्लूरी ने एक्स पर लिखा, 'मेरा सपना जैथरा रामा मूवीज के बैनर तले प्रोडक्शन नंबर1 के रूप में साकार हो रहा है। हमारे प्रिय पावर स्टार (पीएसपीके) द्वारा प्रेम और आशीर्वाद से इसका नामकरण किया गया है। सुरेंद्र रेड्डी और वक्कंथम वामसी के साथ मिलकर काम कर रहा हूं। सदा आभारी। सदा गौरवान्वित। यह ड्रीम प्रोजेक्ट शुरू होने वाला है।'

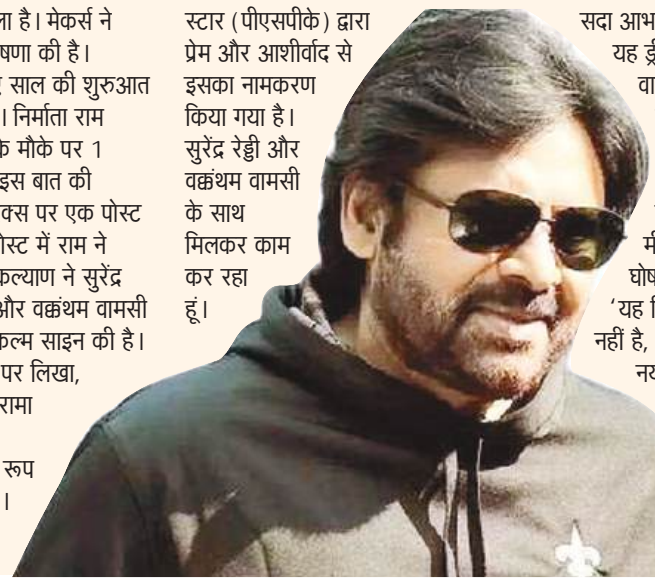

इसके अलावा वक्कंथम वामसी ने भी अपने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा, 'यह सिर्फ हैप्पी न्यू ईयर ही नहीं है, बल्कि सबसे खुशहाल नया साल है। एकमात्र पवन कल्याण के साथ इस ड्रीम प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रहा हूं।' इससे पहले साल 2025 में भी पवन कल्याण की दो फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। इनमें पहली फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' थी और दूसरी फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' थी। 'हरि हर वीर मल्लु' जहां बॉक्स ऑफिस पर कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी और फ्लॉप रही थी। वहीं 'दे कॉल हिम ओजी' को दर्शकों ने पसंद किया था। अब 2026 के पहले ही दिन पवन कल्याण ने अपनी नई फिल्म की घोषणा करके फैंस को तोहफा दिया है।

बॉलीवुड | मन की बात

अब मैं एक साथ कई फिल्में नहीं करना चाहती : आलिया भट्ट

आलिया भट्ट इस समय इंडस्ट्री की टॉप और कामयाब एक्ट्रेसेस में से एक हैं। आलिया ने अपने करियर में एक से एक कई यादगार किरदार किए हैं और ये ही उन्हें दूसरों से काफी अलग बनाते हैं। अब एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वो एक साथ कई फिल्में नहीं करना चाहतीं। इसकी वजह भी उन्होंने खास बताई है। आलिया भट्ट ने कहा, मैं अपने करियर को फेज या माइलस्टोन के रूप में नहीं देखती। फिल्में चुनने का मेरा तरीका पहले जैसा ही है। अलग-अलग मौकों को तलाशना, खुद को चुनौती देना और लगातार अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना। हालांकि आलिया को मां बनने के बाद ऐसे टेम्पो में काम करना ज्यादा आरामदायक लगता है जो उन्हें किसी प्रोजेक्ट में पूरी तरह से शामिल होने की परमिशन देता है। उन्होंने कहा, स्वाभाविक रूप से मेरा काम और स्पीड बदल गई है क्योंकि मेरा एक बच्चा है। लेकिन यह एक ऐसी स्पीड है जो मुझे आरामदायक लगती है, और मैं इससे खुश हूं। मैं एक समय में एक फिल्म पर ध्यान देना और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगाना पसंद करती हूं। पहले मैं एक साथ दो या तीन फिल्में करती थी, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करना चाहतीं। एक्टिंग के अलावा एक्ट्रेस अब प्रोडक्शन के काम में भी उतर रही हैं। उन्होंने बताया, मैं कंटेंट प्रोड्यूस करने में भी शामिल हूं। हम ऐसे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं जो अगले साल शुरू होंगे, और मैं उस जर्नी में क्रिएटिव रूप से शामिल हूं क्योंकि मैं खुद को एक क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में देखती हूं। अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा अपनी सहज बुद्धि और इंट्यूशन का पालन किया है। इस इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने यशराज की स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा को लेकर भी बयान दिया। एक्ट्रेस ने कहा, अब जब मेरे करियर की बात हो रही है तो मैंने हमेशा अपने मन और गट्स भी ही भरोसा किया है। मैं हॉर्ट ऑफ स्टो को एक्शन फिल्म नहीं मानती। वो एक्शन से भरपूर फिल्म थी, लेकिन उसमें मेरा रोल एक्शन वाला नहीं था। अल्फा में मुझे एक्शन करने का मौका मिला है, मैं काफी एक्साइटेड हूं।

ये है देश का सबसे महंगा पिज्जा, 3,50,000 रुपए का चीज, मुंह में जाते ही घुल जाता है मैदा!

आपने आज तक ढेर सारे पिज्जा खाए होंगे. इसमें मार्गरीटा, पेपरोनी, चीज़ बर्स्ट, पनीर ओवरलोड जैसे वेराइटी शामिल हैं। लेकिन क्या आपने कभी ट्राई किया है वो पिज्जा जिसका सिर्फ चीज ही 3.5 लाख रुपये का हो? जी हां, यहां बात हो रही है देश के सबसे महंगे पिज्जा की। एक है सुपरचार्ज्ड शिकागो डीप डिश पिज्जा, जो आम से बहुत अलग है। ये कोई साधारण पिज्जा नहीं है

बल्कि एक 10 किलो के करीब का विशाल पिज्जा है जिसमें लाखों का पार्मेसन, एडम चीज, स्मोकी ट्विस्ट और ढेर सारा प्रीमियम चीज लोडेड होता है। इसके मुंह में जाते ही वो चीज पिघलकर घुल जाता है और क्रिस्पी क्रस्ट, मेल्टिंग चीज पुल और वो लग्जरी फील आता है, जिसे आप कभी भूल नहीं पाएंगे। ये शिकागो स्टाइल डीप डिश है, जिसमें चीज की लेयर इतनी मोटी होती है कि पिज्जा जैसे एक चीज का पहाड़ बन जाता है। हर स्लाइस में चीज का पुल इतना लंबा कि देखते ही मुंह में पानी आ जाता है। इसके सबसे हैवी लोडेड वर्जन करीब 10 किलो का होता है जो पार्मेसन और एडम चीज से भरपूर होता है। साथ ही स्मोकी टॉपिंग के साथ ये और जबरदस्त लगता है। इस पिज्जा को बेक करने में पूरा 1 घंटा लगता है। सबसे खास बात कई इस ऑर्डर करने के लिए एक दिन पहले बुकिंग जरूरी है क्योंकि इसे फ्रेश और परफेक्ट तरीके से तैयार किया जाता है।

बात इसकी कीमत की करें तो ये लगभग 8200 रुपये का आता है। लेकिन इसे खाने का अनुभव तो लाखों का लगता है! ये सिर्फ खाना नहीं, एक फूड स्टोरी है जो दोस्तों को बताने लायक है। अमीरों की पार्टी, स्पेशल डेट या बस लग्जरी फील के लिए!भारत में कई 5-स्टार होटल्स और स्पेशल पिज्जेरिया (जैसे दिल्ली, मुंबई में) ऐसे सुपर लोडेड शिकागो डीप डिश सर्व करते हैं, जहां चीज की क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों टॉप-क्लास होती है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है सबसे आत्मनिर्भर देश

चावल-दाल छोड़िये, अपने मसाले भी खुद उगाता है ये देश, नहीं मांगता किसी से भीख, बन गया मिसाल!

दुनिया में ज्यादातर देश फूड के लिए एक-दूसरे पर निर्भर हैं, लेकिन एक छोटा सा दक्षिण अमेरिकी देश है जो हर तरह का अनाज, सब्जी, फल, मांस, मछली, दूध और मसाले खुद उगाकर पूरी तरह आत्मनिर्भर है।

यह देश है गुयाना, जो 2025 में Nature Food जर्नल की स्टडी में 186 देशों में अकेला 100% फूड सेल्फ-सफिशिएंट पाया गया। स्टडी के मुताबिक, गुयाना सभी सात जरूरी फूड ग्रुप्स: फल, सब्जियां, डेयरी, मछली, मांस, प्लांट-बेस्ड प्रोटीन (जैसे बीन्स, नट्स) और स्टार्ची स्टेपल्स (चावल, कैसावा) में पूरी तरह सेल्फ-सफिशिएंट है।

ये देश किसी अन्य देश से कोई आयात नहीं करता है। गुयाना की आबादी करीब 9 लाख है और यह दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित है। यहां के उपजाऊ तटीय मैदान चावल, कैसावा, सोयाबीन, सब्जियां और पोल्ट्री के लिए आदर्श हैं। नदियों से भरपूर फिशिंग और पशुपालन से मांस-मछली की जरूरत पूरी होती है। देश ने 85% से ज्यादा मूल जंगल संरक्षित रखे हैं, फिर भी कृषि में कमाल किया है। 2020-2025 में कृषि निवेश 468% बढ़ा था जिससे प्रोडक्शन में तेजी आई थी। CARICOM के 25 b4 2025 प्लान (कारिबियन फूड इंपोर्ट बिल

25प्रतिशत कम करने का लक्ष्य, अब 2030 तक) में गुयाना लीडर बना था। स्टडी में बताया गया कि गुयाना ने बायोरिजनल स्ट्रेंग्थ्स पर फोकस किया, जिसमें लोकल क्लाइमेट के हिसाब से क्रॉप्स चुने गए जैसे चावल और कैसावा। 2023 में 10,000 एकड़ में कॉर्न और सोयाबीन उगाए गए, जो 2025 तक 25,000-30,000 एकड़ तक बढ़ गए। रेड बीन्स और ब्लैक-आई पीज में 2024 तक सेल्फ-सफिशिएंट, CARICOM की जरूरत पूरी कर सकता है।

ये देश स्पाइसेस जैसे जिंजर, टर्मरिक और ब्लैक पेपर भी उगाता है। यह उपलब्धि क्लाइमेट चेंज, ग्लोबल सप्लाई चेन डिसरप्शन (कोविड, रूस-यूक्रेन वॉर) के दौर में खास महत्वपूर्ण है। बाकी देशों में फ्रूट्स, वेजिटेबल्स और फिश में कमी है, लेकिन गुयाना ने सभी ग्रुप्स में 100 प्रतिशत हासिल किया है। चीन और वियतनाम 6 ग्रुप्स में सेल्फ-सफिशिएंट हैं, लेकिन हर ग्रुप में नहीं। गुयाना ने युवाओं को एग्री-बिजनेस में ट्रेनिंग दी, 200+ शेड हाउस बनाए जिसमें हाई-वैल्यू क्रॉप्स (ब्रोकोली, कैरट्स) उगाए जाते हैं। हनी प्रोडक्शन 2023 में 2,600 गैलन से 2024 में 30,000 गैलन पहुंच गया। गवर्नमेंट ने फर्टिलाइजर सपोर्ट, VAT हटाना और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश किया। यह मिसाल बताता है कि स्मार्ट पॉलिसी, लोकल क्रॉप्स और नेचर के साथ काम करके छोटा देश भी आत्मनिर्भर बन सकता है।

उत्तराखंड में बयान, बिहार में मचा घमासान

कांग्रेस ने बीजेपी पर साधा निशाना

» भाजपा मंत्री रेखा आर्य के पति के बिगड़े बोल, कहा- बिहार में 25 हजार में मिल जाती हैं लड़कियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू का एक बयान इन दिनों उत्तराखंड की सियासत में हलचल मचा रहा है। ये बयान भारतीय जनता पार्टी के लिए नया राजनीतिक संकट बनता नजर आ रहा है, वहीं कांग्रेस को सरकार पर तीखा हमला बोलने का मौका मिल गया है। मामला सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के शीतलाखेत मंडल का बताया जा रहा है, जहां बीजेपी कार्यकर्ताओं की एक बैठक के दौरान गिरधारी लाल साहू ने कथित तौर पर महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में मंत्री के पति एक अविवाहित कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए बोले कि लड़कियों की कोई कमी नहीं है और बिहार में 20-25 हजार रुपये में शादी के लिए लड़कियां मिल जाती हैं। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन, वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। फिलहाल ताजा बयान को लेकर राजनीतिक घमासान तेज है और बीजेपी पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं कांग्रेस ने उनके बयान के बाद हमले और तेज कर दिए हैं। गौरतलब है कि गिरधारी लाल साहू का नाम पहले भी कई विवादों से जुड़ चुका है। उनके खिलाफ डबल मर्डर केस में नाम सामने आने की बात कही जाती रही है। इसके अलावा उन पर एक गंभीर आरोप यह भी लगा था कि उन्होंने अपने नौकर की किडनी धोखे से निकलवाकर अपनी दूसरी पत्नी बैजयंती माला साहू का ट्रांसप्लांट करवाया। आरोप लगाने वाले नौकर नरेश चंद्र गंगवार का दावा है कि जून 2015 में उसे मदद के बहाने श्रीलंका ले जाया गया, जहां कोलंबो स्थित एक अस्पताल में उसकी किडनी निकाल ली गई। नरेश का यह भी आरोप रहा है कि शुरुआत में दबाव के चलते वह चुप रहा, लेकिन बाद में उसने नैनीताल के तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की शिकायत की।

पहले भी लग चुके हैं गंभीर आरोप

मंत्री और उनके पति सार्वजनिक रूप से माफी मांगे : ज्योति रौतेला

कांग्रेस ने इस बयान को महिलाओं की गरिमा का खुला अपमान बताया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने इसे बेहद शर्मनाक करार देते हुए महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्य की नैतिक जिम्मेदारी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मंत्री और उनके पति से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि जिस सरकार में महिला सशक्तिकरण की जिम्मेदारी संभालने वाली मंत्री के परिवार से इस तरह के बयान सामने आएं, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

भ्रष्टाचार की जांच होनी चाहिए : इनेलो

» मंत्री अनिल विज को गंभीरता से लें : आदित्य देवीलाल

» मुख्यमंत्री ने दिए आदेश, शेष नौ जिलों में भी होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो विधायक आदित्य देवीलाल और अर्जुन चौटाला ने कहा, मंत्री अनिल विज कोई मुद्दा उठाते हैं तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। वर्क स्लिप घोटाले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। ऐसे घोटाले दूसरे विभागों में भी हो सकते हैं। चंडीगढ़ में भाजपा विधायक राम कुमार गौतम के जाटों पर दिए बयान पर अर्जुन चौटाला ने कहा, उन्हें ऐसे बयान नहीं देने चाहिए। मैंने खुद उन्हें कई बार कहा है कि ऐसी ओछी बात नहीं करनी चाहिए। हालांकि श्रम विभाग में वर्कस्लिप घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शेष 9 जिलों में जांच के आदेश दिए हैं। इसकी जानकारी बुधवार को ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने दी।

उन्होंने घोटाले के मामले में कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा सरकार पर घोटाले के आरोप लगाने पर पलटवार करते हुए कहा कि सुरजेवाला हम आप लोगों की तरह घोटालों को छिपाते नहीं है, घोटाला हुआ है, उजागर हुआ है और उसकी उच्चस्तरीय जांच कराने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा है। मुख्यमंत्री ने आदेश भी दे दिए कि शेष नौ जिलों में भी तुरंत जांच पूरी की जाए ताकि इस मामले में कोई फैसला लिया जा सके। विज ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुरजेवाला पर तंज कसते हुए कहा कि इस मामले में सुरजेवाला बीच में कहां से आ गए। हो सकता है कि यह मामला इनके (कांग्रेस) के समय का हो, यह गड़बड़ी कब से हुई है, यह अभी पता नहीं लगा और किसके समय का है, यह भी पता नहीं लगा है। वहीं वर्ष 2026 को लेकर अपने विभागों में नए रोडमैप के प्रश्न पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि यहां हर दिन नया होता है, हर दिन कुछ न कुछ नया सरकार में किया जाता है और यही कारण है कि तीसरी बार हरियाणा की जागरूक जनता ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई, ऐसा पहली बार हुआ है क्योंकि ये सरकार काम करने वाली सरकार है।

हुड्डा बेबुनियाद बातें कर रहे: विज

अरावली के मुद्दे पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा के आरोप कि यह सारा खेल साढ़े 10 हजार करो? चंदे के लिए हो रहा है जिस पर पलटवार करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा बेबुनियाद बातें कर रहे हैं। अरावली में जो हुआ वह सुप्रीम कोर्ट ने किया और अपने फैसले पर रोक भी सुप्रीम कोर्ट ने लगाई है। इसका मतलब यह है कि ये सुप्रीम कोर्ट पर आरोप लगा रहे हैं। अगर यह कह रहे हैं कि यह फैसला इतने पैसे के लिए हुआ है तो ये क्या सुप्रीम कोर्ट पर आरोप लगा रहे हैं।

28वां अंतर्राष्ट्रीय जूनू पुरस्कार से सम्मानित हुए बच्चे

» विश्व मानव दिवस धूमधाम से मना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व मानव दिवस व 28वां अंतर्राष्ट्रीय जूनू पुरस्कार-2025, राज्य जूनू पुरस्कार-2025 और विश्व मानव संगठन का 65वां वार्षिक स्थापना दिवस 1 जनवरी 2026 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश, भारत में मनाया गया। विश्व मानव दिवस (1 जनवरी 2026) के अवसर पर, साहित्य के माध्यम से जीव-जंतुओं के संरक्षण में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए नीलम रानी गुप्ता को 28वां अंतर्राष्ट्रीय जूनू पुरस्कार-2025 प्रदान किया गया।

यह जानकारी इस कार्यक्रम को हरवर्ष आयोजित करवाने वाले प्रवीन भूषण ने दी। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर मेधावी छात्रों को भी सम्मान दिया गया। इस अवसर पर राधा रानी शरणम पुस्तक का विमोचन भी हुआ। विश्व मानव दिवस के दौरान अशोक कुमार श्रीवास्तव द्वारा लिखित रंग का लोकापर्ण हुआ। भूषण कहा कि हम विश्व मानव दिवस मना रहे हैं, हम सभी मिलकर ऐसे लोकहित उद्यम में उद्यम करते रहेंगे।

नववर्ष पर नगर निगम में कार्यक्रम आयोजित

» कर्मचारी संघ ने शुभकामनाओं का किया आदान-प्रदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ द्वारा भव्य शुभकामना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ के अध्यक्ष आनंद वर्मा एवं महामंत्री शमील एखलाक के नेतृत्व में पदाधिकारियों व सैकड़ों कर्मचारियों ने नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से भेंट कर पुष्प गुच्छ एवं गुलाब भेंट करते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी महामिलिंद लाल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी पी.के. श्रीवास्तव, मुख्य नगर लेखा परीक्षक बनवारी, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा, उप नगर आयुक्त रश्मि भारती, प्रभारी अधिकारी अधिष्ठान विकास सिंह, प्रभारी उद्यान नंदकिशोर, कार्यालय अधीक्षक अधिष्ठान महेंद्र वर्मा, जोनल अधिकारी जोन-5 विनीत सिंह, जोन-7 रामेश्वर प्रसाद, जोन-1 ओम प्रकाश सिंह, जोन-6 अमरजीत यादव अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव प्रेम सहित विभिन्न संगठनों के अध्यक्ष एवं महामंत्री उपस्थित रहे। नगर निगम कर्मचारी संघ ने नववर्ष पर सभी के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए यह संकल्प लिया कि संघ, कर्मचारी एवं संस्था के हित में परस्पर सहयोग की भावना से कार्य करते हुए नगर निगम लखनऊ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष हेमंत कुमार, उपाध्यक्ष सुखदेव यादव, मंत्री विजय लक्ष्मी, रेखा यादव सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे।

हर फेफड़े तक नफरती जहर पहुंचा : मनोज झा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी सांसद मनोज कुमार झा ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए हिंसा और भेदभाव की घटनाओं पर चुनिंदा चुप्पी साधने का आरोप लगाया। झा ने कहा कि भगवत के विस्तृत बयान के बाद, सबसे पहले उनकी बातों पर ध्यान किसे देना चाहिए?

वे किसकी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और कौन सी राजनीतिक पार्टी उनसे प्रेरणा लेती है? भाजपा है ना? उन्होंने कहा कि अभी-अभी उनके अपने राज्य उत्तराखंड में त्रिपुरा के एक बच्चे की हत्या कर दी गई है। मैंने इस पर उनका एक भी बयान नहीं सुना। भाषाई और नस्लीय भेदभाव का जो खुला रूप हम देख रहे हैं, जब इतना जहर बोया जा रहा था, तब वे लगातार चुप रहे। अब यह जहर हर नाक, हर फेफड़े तक पहुंच चुका है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में मिल सकता है पंत को मौका

» पिछले 18 महीनों में एक भी वनडे नहीं खेले हैं पंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय टीम को नए साल पर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इसके लिए टीम का एलान होना है। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि चयनकर्ता ऋषभ पंत को इस सीरीज के लिए मौका देते हैं या नहीं। पंत पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे हैं और उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। पंत टीम में शामिल होंगे या नहीं इसका पता तो टीम की घोषणा होने पर ही चलेगा।

पंत पिछले 18 महीनों में एक भी वनडे नहीं खेले हैं और अगर उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मौका नहीं मिलता है तो यह अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति की ज्यादती होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह सीरीज 11 जनवरी से होगी जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली भी खेलते नजर आएंगे। यह किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय टीम प्रबंधन में कम से कम एक सदस्य को तो पंत का अधिक जोखम से अधिक फायदा वाला रवैया पसंद नहीं है और वह चाहते हैं कि बल्लेबाजी में पंत पारंपरिक रवैया अपनाएं। लेकिन दूसरा मौका दिए बिना पंत को बाहर करने से कई सवाल खड़े होंगे। पंत चैंपियंस ट्रॉफी टीम और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले महीने वनडे टीम का हिस्सा थे। सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर आजमाया गया और तीनों मैचों में पंत बाहर रहे। वहीं गेंदबाजी में टी20 विश्वकप को देखते हुए जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को वनडे से आराम दिया जाना तय है। हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह पर विचार किया जा सकता है। मोहम्मद शमी की वापसी की भी अटकलें हैं, जबकि स्पिन में रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव का खेलना तय है।

उस्मान ख्वाजा ने टेस्ट में किया संन्यास का ऐलान

सिडनी। 87 टेस्ट, 6206 रन, 43.39 औसत, 16 शतक...यही उस्मान ख्वाजा का टेस्ट करियर है, और अब इस शानदार सफर का आखिरी पड़ाव सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर आने वाला है। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बाएं हाथ के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने पुष्टि कर दी है कि इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में खेला जाने वाला पांचवां एशेज टेस्ट उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 88वां टेस्ट होगा और उनका अंतिम मुकाबला होगा। शुक्रवार सुबह एससीजी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उस्मान ख्वाजा ने अपने संन्यास की घोषणा की। इस दौरान उनके माता-पिता, पत्नी रेचल और दोनों बच्चे भी मौजूद थे। ख्वाजा ने बताया कि उन्होंने यह फैसला अपने साथियों को ट्रेनिंग से ठीक पहले ही बताया था। ख्वाजा ने कहा, मैंने जैसे ही टीम को बताया, मैं खुद को संभाल नहीं पाया। मुझे नहीं लगा था कि मैं रोऊंगा, लेकिन आंसू निकल आए। इससे पता चलता है कि यह सफर मेरे लिए कितना मायने रखता है।

बीएमसी चुनाव पर मचा है सियासी घमासान

» चर्चा में है बीजेपी नेता कृपाशंकर सिंह का बयान

» शिव सेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में बड़ी चेतावनी

» गैर मराठी मेयर थोपने की कोशिश हुई तो भयंकर विद्रोह भड़केगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीएमसी चुनावों को लेकर महाराष्ट्र सियासी घमासान मचा हुआ है। शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में बीएमसी चुनावों को लेकर बड़ी चेतावनी दी गई है। इसमें लिखा गया है कि अगर किसी गैरमराठी मेयर को थोपने की कोशिश की गई तो संयुक्त महाराष्ट्र संघर्ष की तरह भयंकर विद्रोह भड़क उठेगा। इसके साथ ही बीजेपी और एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना पर निशाना साधा गया है और कई तरह के आरोप भी लगाए गए हैं।

बीजेपी नेता कृपाशंकर सिंह के बयान को लेकर ये पूरा लेख है, जिसमें साफ कहा गया है कि मेयर मुंबई का ही होना चाहिए।

कृपाशंकर ने कहा था- मुंबई का मेयर उत्तर भारतीय होगा

सामना में कृपाशंकर के बयान पर लिखा गया है, कृपाशंकर का यह बयान मुंबई का मेयर उत्तर भारतीय होगा। यह भाजपा की अधिकृत भूमिका है, लेकिन इस मामले में नकली शिवसेना लाचार होकर लीपा-पोती कर रही है। ये बेबस लोग कह रहे हैं,मुंबई के मेयर के बारे में कृपाशंकर का बयान उनकी निजी राय है। (संक्षेप में, हमने इसमें एक पूंछ डाल दी है, जिसे हटाया नहीं जा सकता.) अरे, थू है तुम्हारी जिनगानी पर!

अगर भाजपा के कृपाशंकर छाप नेता यह नहीं समझते कि मुंबई पर सिर्फ पैसे से कब्जा नहीं किया जा सकता, तो उन्हें फोर्ट स्थित हुतात्मा स्मारक का इतिहास समझना चाहिए. उस समय मुंबई समेत संयुक्त महाराष्ट्र के लिए 106 लोगों ने अपना बलिदान दिया. उस बलिदान की परंपरा आगे भी जारी रहेगी।

कायर शिंदे इस साजिश पर क्यों साधे हैं चुप्पी

कायर शिंदे इस साजिश पर चुप्पी साधे हुए हैं। शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के नाम पर सत्ता का उपभोग करने वाली अमित शाह की चरण चाटने वाली सेना तो कृपाशंकर के इस मराठीद्वेषी वक्तव्य पर मुंह में दही जमाए बैठी है. कृपाशंकर तो छोड़िए भाजपा और मिंधे के सौ-सौ बाप भी यहां पर आ जाएं, तब भी वे मुंबई से मराठी मानुष के रिश्ते को तोड़ने में नाकाम रहेंगे।

बीजेपी की मंशा पर भी उठाए सवाल

सामना में आगे लिखा है- भारतीय जनता पार्टी ने आखिर कृपाशंकर के मुख से अपनी कड़ुवाहट उगल ही दी है। कृपाशंकर ने कहा कि महानगरपालिका के चुनावों में इतने अधिक नगरसेवक चुने जाएंगे कि मुंबई का महापौर उत्तर भारतीय समुदाय से ही बनेगा। कृपाशंकर के इस बयान से मुंबई को लेकर भाजपा की मंशा उजागर हो गई है। कृपाशंकर ने उत्तर प्रदेश के जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन उत्तर भारतीयों ने ही उन्हें हरा दिया। यानी जो उत्तर भारत में हारे हैं, वही मुंबई में उत्तर भारतीय मेयर बनाने जा रहे हैं। कृपाशंकर ने भाजपा की टांगे भाजपा के ही गले में बांध दी हैं। असल में इस चुनाव में भाजपा के पैरों तले की जमीन खिसक गई है। इसलिए वे मुंबई में मराठी-गैरमराठी विवाद को हवा देकर चुनाव लड़ना चाहते हैं।

हिंदी भाषी व मराठी का रिश्ता बर्बाद करने की कोशिश

सामना में लिखा गया है, मुंबई और आस-पास के शहरों में हिंदी भाषी मराठी लोगों के साथ घुल-मिलकर रहते हैं। इनमें से अधिकतर लोग चार-पांच पीढ़ियों से यहीं रह रहे हैं। इसलिए उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि यही है। ऐसे में ये लोग दूध में नमक डालकर इस रिश्ते को बर्बाद करने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? मुंबई और महाराष्ट्र के हिंदी भाषी लोगों ने कोरोना काल में यह अनुभव किया है कि उत्तर भारत के शासक हिंदी भाषी लोगों के संकट के समय अपने दरवाजे बंद कर देते हैं। उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री कार्यकाल में जाति, प्रांत या भाषा की परवाह किए बिना सभी को इलाज और अनाज उपलब्ध कराया गया। इसके उलट, उत्तर प्रदेश और बिहार में अपने गांवों में लौटने वाले हिंदी भाषी लोगों को राज्य के द्वार पर ही रोक दिया गया था।

आप संयोजक ने शिक्षकों का किया अपमान : आशीष सूद

» केजरीवाल पर दिल्ली सरकार करवाएगी एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने शहर में शिक्षकों के बारे में फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करने का फैसला किया है।

इस मामले पर बोलते हुए सूद ने आरोप लगाया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट के जरिए गलत सूचना फैलाई, जिसके बाद सरकार ने गहन विचार-विमर्श के बाद एफआईआर दर्ज करने का निर्णय लिया। सूद ने कहा कि मैं दिल्ली के बेरोजगार नेताओं के बारे में ज्यादा बात नहीं करता। सरकार ने दिल्ली में शिक्षकों के बारे में फैलाई जा रही गलत सूचनाओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करने का सोच-समझकर फैसला लिया है। इस बार फर्जी खबर फैलाने वाला व्यक्ति अरविंद केजरीवाल है, जो चंडीगढ़ के शीश महल में बैठा है। अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट के जरिए यह गलत सूचना फैलाई। काफी विचार-विमर्श के बाद सरकार ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का फैसला किया है।

मंगलवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की कथित तौर पर निंदा करते हुए कहा कि सरकार ने सभी शिक्षण संस्थानों, स्कूलों और स्टेडियमों से आवारा कुत्तों से संबंधित मामलों में नोडल अधिकारी नियुक्त करने और इस पर रिपोर्ट देने का अनुरोध किया है। ङ्क पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने लिखा, क्या दिल्ली के सरकारी स्कूलों के शिक्षक बच्चों को पढ़ाएंगे, या सड़कों पर कुत्तों की गिनती करेंगे?

इंदौर दूषित पानी कांड में मौतों की संख्या 15 पहुंची

» उमा भारती ने भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश ही नहीं, पूरे देश का सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर में दूषित पानी से करीब 9 लोगों की जान चली गई है। 9 की मौत का आंकड़ा आधिकारिक है, लेकिन बीजेपी पार्षद कमल वाघेला ने 15 लोगों की मौत का दावा किया हैं। वहीं, इस गंभीर मामले में पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी की सीनियर नेता उमा भारती ने मोहन यादव सरकार पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इंदौर दूषित पानी मामले का संज्ञान लेते हुए उमा भारती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है. उन्होंने लिखा है, साल 2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुई मौतें हमारा प्रदेश, हमारी सरकार और हमारी पूरी व्यवस्था को शर्मिंदा और कलंकित कर गईं. प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहर का अवॉर्ड प्राप्त करने वाले नगर में इतनी बदसूरती, गंदगी, जहर मिला पानी जो कितनी जिंदगियों को निगल गया और निगलता जा रहा है, मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है।

सरकार को घोर प्रायश्चित करना होगा : उमा भारती

उमा भारती ने लिखा, जिंदगी की कीमत दो लाख रुपये नहीं होती क्योंकि उनके परिजन जीवन भर दुःख में डूबे रहते हैं इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा। पीड़ितजन से माफी मांगनी होगी और नीचे से लेकर ऊपर तक जो भी अपराधी हैं उन्हें अधिकतम दंड देना होगा। यह मोहन यादव जी की परीक्षा की घड़ी है।

बीजेपी पार्षद बोले- कई बार शिकायत की थी

वार्ड-11 के बीजेपी पार्षद कमल वाघेला ने दावा किया है कि अब तक 15 लोगों की जान चली गई है और एक शख्स की हालात गंभीर है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 8 दिन हो गए, लीकेज कहां से हुआ अब तक पता नहीं चल सका है. इस लापरवाही का जिम्मेदार सिस्टम है। इतना ही नहीं, पार्षद ने यह भी दावा किया कि वह लगातार प्रशासन से इस बारे में लिखित शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अब तक कुछ कार्रवाई नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा था कि वह सीएम मोहन यादव को भी चिट्ठी लिख चुके हैं।

असम में कांग्रेस का चुनावी शंखनाद

» गोगोई बोले- 100 सीटों पर लड़ेंगे, शेष सीटें अपने छोटे सहयोगी दलों के साथ साझा करेगी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव से तीन महीने पहले, कांग्रेस पार्टी ने राज्य में चुनाव लड़ने के लिए सीटों की संख्या स्पष्ट कर दी है। यह पार्टी के लिए एक सकारात्मक शुरुआत है, बिहार के विपरीत, जहां वह अंततः सीट बंटवारे का समझौता करने में असमर्थ रही और शक्तिशाली राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ गठबंधन की राजनीति में संतुलन बनाने के लिए महीनों तक टालमटोल करती रही।

कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह असम की 126 सीटों में से 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष सीटें अपने छोटे सहयोगी दलों के साथ साझा करेगी। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि जनविरोधी भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ गठबंधन करके विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हम 100 सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगे।

शेष सीटें गठबंधन सहयोगियों के लिए छोड़ी जाएंगी। असम की कुल जनसंख्या में मुसलमानों की संख्या 34प्रतिशत है। कांग्रेस ने सात छोटी पार्टियों को अपने साथ मिला लिया है और जातीय दल-असम (जेडीए), कम्युनिस्ट पार्टी इंडिया (मार्क्सवादी), असम जातीय परिषद (एजेपी), रायजोर दल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई), सीपीआई (एमएल) और कार्बी आंगलोंग स्थित ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव एक साझा मंच से लड़ेगी। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 141वें स्थापना दिवस के अवसर पर तेजपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद उन सीटों की घोषणा की जिन पर पार्टी चुनाव लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस राज्य में सत्ता में आती है, तो धार्मिक घृणा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए एक अलग कानून लाया जाएगा।

बल्लारी हिंसा मामले में भाजपा विधायक समेत 11 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

» इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलूरू। कर्नाटक के बल्लारी में हुई हिंसा के मामले में भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं हिंसा के बाद बल्लारी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

दरअसल बैनर लगाने को लेकर कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी और भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के समर्थक आपस में भिड़ गए थे। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। हालात अभी शांतिपूर्ण हैं और सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं और यह सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी अवांछित घटना न हो। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति हथियार लहरा रहा है और हवाई फायरिंग कर रहा है। इस मामले में पुलिस ने शुक्रवार को भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी, पूर्व मंत्री और भाजपा नेता श्रीरामुलु, शेखर, अलिखन और सोमशेखर रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

बल्लारी में 3 जनवरी को वाल्मिकी जी की प्रतिमा का अनावरण होना है। इसे लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसके पोस्टर-बैनर शहर भर में लगाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी के समर्थक अवंभावी इलाके में भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के आवास के बाहर कार्यक्रम का बैनर लगा रहे थे।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा